दिल्ली पुलिस समाचार

अंक-125 नवम्बर-दिसम्बर, 2018 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



आम जनता से आपका संवेदनशील व्यवहार व उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही आपको सर्वश्रेष्ठ बल बनाता है

- केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह

जनता के साथ मर्यादित एवं कुशल व्यवहार ही हमारी सफलता का मापदंड तय करता है

– श्री अमूल्य पटनायक, पुलिस आयुक्त, दिल्ली

साथियों, सर्वप्रथम, मैं आपको एवं आपके समस्त परिजनों को नववर्ष 2019 की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। मेरी यह कामना है कि नए वर्ष में भी आप सफलताओं के नए–नए कीर्तिमान स्थापित करें और खुशहाल होकर जीवनयापन करें। इसके साथ ही पिछले दिनों दीवाली, छठ पर्व, गुरू नानक जयंती, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले व नववर्ष के उत्सव के दौरान किये गये शानदार एवं अचूक सुरक्षा प्रबंधों के लिए भी आपको बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी आप सब इसी निष्ठा, जोश व कर्तव्यपरायणता से अपने दायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

6 नवम्बर, 2018 को इंडिया गेट पर आयोजित एक कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय गृहमंत्री महोदय की गरिमामयी उपस्थिति हमारे लिए उत्साहवर्धक रही, जिसमें उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा अपनी कार्यशैली में आधुनिक प्रौद्योगिकी के अधिकतम प्रयोग की प्रशंसा करते हुए दिल्ली पुलिस को राष्ट्र के सर्वश्रेष्ठ पुलिस बलों में से एक बताया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस की जिम्मदारियाँ अन्य बलों की अपेक्षा बहुत ज्यादा हैं और इन्हीं जिम्मदारियों पर खरा उतरने के लिए समय के साथ आधुनिक तकनीक को आत्मसात् करने और जनता का निरंतर विश्वास अर्जित करना बहुत जरूरी है।

मैं, आप सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई देना चाहूँगा कि आपने वर्ष 2018 के दौरान सामने आई हर चुनौती का, चाहे वह हिंसक वारदात सुझलाने की हो, विशेष मौकों पर सुचारू यातायात संचालन की हो, बेहतर कानून–व्यवस्था बनाए रखने की हो या फिर वीवीआईपी और वीपीआईपी के पुख्ता सुरक्षा प्रबंध करने की हो, सभी चुनौतियों का प्रत्येक जिला/ईकाइयों ने डटकर सफलतापूर्वक मुकाबला किया है। मेरा मानना है कि अभी हाल के दिनों में एक नया जिला व 15 नए थाने अस्तित्व में आने से राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और अधिकारियों एवं कर्मियों को अपने दायित्व निर्वहन में भी सुविधा होगी। इसके साथ ही सभी थानों में दर्ज मामलों से संबंधित मदों/साक्ष्यों आदि को सुरक्षित रखना और उसे समय समय पर माननीय अदालत के समक्ष पेश करना पुलिस व्यवस्था में एक विकट समस्या हुआ करती थी, वह भी सभी थानों के मालखानों को डिज़िटलाईज्ड करने से खत्म हो गई है। अब हम गर्व के साथ कह सकते है कि शायद सम्पूर्ण भारत में दिल्ली पुलिस एकमात्र ऐसा पुलिस बल है, जिसके सभी थाने डिज़िटलाईज्ड है और इसे हम वर्ष 2018 की एक विशेष उपलब्धि भी कह सकते है।

इसमें कोई संदेह नही कि दिल्ली पुलिस अपनी कार्यप्रणाली में निरंतर आधुनिक तकनीक को शामिल करके स्मार्ट पुलिसिंग की तरफ अग्रसर रहते हुए अपनी विश्वव्यापी श्रेष्ठ छवि को मजबूत करने की दिशा में नित् नए नए कदम उठा रही है। अपनी उपलब्धियों की सूची को बढ़ाते हुए गतवर्ष ई–मालखाना प्रोजेक्ट के प्रारंभ के अलावा, साइबर सेफ्टी एंड डिजिटल अवेयरनेस की कार्यशाला, ई–एफआईआर प्रक्रिया में सुधार, महिला सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर कार्य, स्कूली छात्रों में बाल्यावस्था में ही यातायात नियमों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने, विशेष महिला कमांडो दस्ते को नागरिकों की सेवा में समर्पित करने, दिल्ली पुलिस के प्रशिक्षकों, सूचना एवं तकनीकी विशेषज्ञों, दिल्ली विश्वविद्यालयों के मनोवैज्ञानिकों की मदद से थानाध्यक्षों, अति. थानाध्यक्षों, निरीक्षक जांच अधिकारी व उप–निरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मियों को तनावरहित होकर जनता की सेवा करने के लिए प्रशिक्षित करना तथा क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम प्रोजेक्ट की मदद से मैनुअल रोजनामचा प्रणाली खत्म कर रोजनामचा ऑनलाइन करने तथा माननीय अदालतों, जेलों और फोरेंसिक साइंटिफिक लैबोरेट्री को परस्पर जोड़ने के कारगर कदम उठाये गये हैं।

मैं, दिल्ली पुलिस के प्रशासनिक कामकाज की भी प्रशंसा करता हूँ क्योंकि प्रशासनिक स्तर पर पुलिस कर्मियों के स्थाईकरण, पदोन्नति, प्रशिक्षण, चिकित्सा सुविधा, नए पुलिस भवनों के निर्माण व आवासीय स्थिति में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। मेरा सतत् प्रयास रहा है कि



आप सभी को समय पर पदोन्नति मिले और सभी कल्याणार्थ योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए। इसी क्रम में पिछले साल कुल 7079 पुलिसकर्मियों को पदोन्नति मिली जिनमें 167 इंस्पेक्टर, 312 एसआई, 1075 एएसआई, 1531 हेडकां0 व 3994 कांस्टेबल शामिल हैं। उल्लेखनीय और सराहनीय सेवाओं के लिए 81 पुलिसकमियों को बारी से पहले अगले पदों पर पदोन्नत किया गया है। इसके साथ ही गतवर्ष ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए 276 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल किया गया है।

पुलिस प्रशासन का सदैव प्रयास रहता है कि पदोन्नति प्रक्रिया को तेज करने के साथ–साथ समय समय पर साहसिक एवं उल्लेखनीय कार्यो को अंजाम देने वाले पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की देने, असाधारण कार्य पुरस्कार व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाए ताकि उनमें नूतन उर्जा का संचार हो और नव उत्साह जागृत हो। मेरा मानना है कि यदि अपनी जान जोखिम में डालकर अपने विभाग की प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाले, जनहित के कार्यो में बेहतरीन व साहसिक कार्यो को अंजाम देने वाले पुलिसकर्मियों को समय पर प्रोत्साहन व उचित सम्मान मिले तो निःसंदेह अन्य पुलिसकर्मियों के कामकाज पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आपको यह जानकार हर्ष होगा कि आपकी सतर्कता, जनता की जारूगता और सीसीटीवी लगाने की वजह से हत्या, डकैती व लूटपाट जैसी गंभीर व संगीन वारदातों में गतवर्ष के मुकाबले कमी आई है। इसके साथ ही मैं दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा पिछले दिनों किये गये कल्याणार्थ कार्यो की भी सराहना करता हूँ, विशेषकर, पुलिस कॉलोनियों में स्वच्छता अभियान और एक्सिस बैंक की मदद से पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की।

अंत में, मैं एक बार पुनः आप सबको नए वर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए आह्वान करना चाहूँगा कि समाज के उपेक्षित वर्ग, छोटे असंगीन अपराधों में संलिप्त किशोरों पर विशेष ध्यान दें, अपराध संभावित क्षेत्रों को पहचानें, महिलाओं व वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और अधिक सजगता, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली पुलिस की 300 ''रफ्तार''

मोटरसाइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

6 नवम्बर, 2018 को **केंद्रीय गृहमंत्री माननीय श्री राजनाथ सिंह** ने सीपीसीआर से जुड़ी 300 रफ्तार मोटरसाइकिलों के काफिले को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर **माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल, तत्कालीन मुख्य सचिव, दिल्ली सरकार श्री अंशु प्रकाश, पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक, श्री एस.नित्यानंदम, श्री संदीप गोयल, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री एस.के. गौतम, श्री आर.पी. उपाध्याय, श्री सतीश गोलचा,** सहित भारी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं जवान मौजूद थे। इस मौके पर मुख्य **अतिथि माननीय केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह** ने महिला पुलिस अधिकारियों एवं आम जनता से जुड़ी महिलाओं जिन्होंने महिला सुरक्षा तथा अपराध रोकथाम के क्षेत्र में सरानीय कार्य किये है, को सम्मानित किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने दिल्ली पुलिस द्वारा आधुनिकीकरण के लिए निरंतर नए–नए प्रयास किये जाने की प्रशंसा करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस की गिनती देश के सर्वश्रेष्ठ पुलिस बलों में होती है, इसीलिए इसकी जिम्मेदारयाँ भी बड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अपराधियों के साथ कड़ा व्यवहार जरूर करें, परंतु आम शहरी के साथ मर्यादित व शिष्टाचार युक्त व्यवहार होना चाहिए और पीड़ित की शिकायत को इस प्रकार से सुना जाना चाहिए कि उसकी मानसिक पीड़ा में तुंरत कुछ राहत तो मिले। इस अवसर पर माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल ने भी अपने सम्बोधन में इलाके में पुलिस दृश्यता और बेहतर कार्यवाही पर जोर दिया।

विशेष तौर पर नवीनीकृत की गई इन रफ्तार मोटरसाइकिलों का मुख्य उद्देश्य पीसीआर कॉल विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित प्राप्त होने पर अति व्यस्त और सघन इलाकों में जल्दी से जल्दी पहुंच कर त्वरित कार्रवाही करना, सघन यातायात के कारण पीसीआर वैन के देरी से पहुंचने की शिकायतों को कम करना, सुचारू कानून–व्यवस्था में बाधा पहुंचाने वाले मामलों में त्वरित हस्तक्षेप करना, इलाके में निरंतर गश्त करते हुए पुलिस की उपस्थिति सुनिश्चित करना, संकीर्ण व भीड़भाड़ वाले इलाकों से भाग रहे लूटेरों और झपटमारों को पकड़ना आदि है। वर्तमान में प्रत्येक पुलिस स्टेशन से एक–एक मोटरसाइकिल सीपीसीआर (केंद्रीय पुलिस नियंत्रण कक्ष) से जुड़ी हुई है। रफ्तार मोटरसाइकिलों पर तैनात पुलिसकर्मी बॉडीवोन कैमरे, वाकी–टॉकी, जीपीएस व अलार्म से लैस होंगे। इन मोटरसाइकिलों को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए भविष्य में प्रत्येक पुलिस स्टेशन से नवीनीकृत की गई तीन मोटरसाइकिलों को सीपीसीआर से जोड़ा जाएगा, ताकि जनता के बीच अधिक से अधिक पुलिस की दृश्यता बनी रहे और आपात समय में त्वरित कार्रवाही के लिए इनका प्रयोग किया जा सके। इस मौके पर बालिकाओं द्वारा महिलाओं से संबंधित स्व–रक्षा प्रदर्शन और रफ्तार से जुड़ी एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।



'रफ्तार' मोटरसाईकिल दस्ते को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह



महिला सुरक्षा कार्यक्रम से जुड़ी एक महिला को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि



आत्मसुरक्षा प्रशिक्षण देने वाली टीम की एक सदस्या अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए



कार्यक्रम में शामिल 'रफ्तार' मोटरसाईकिल दस्ते की एक झलक

दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल ने अपना 26वां वार्षिकोत्सव पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया



स्कूल परिसर में ओपन जिम का उद्घाटन करते हुए माननीय उपराज्यपाल



मुख्य अतिथि, पुलिस आयुक्त, समिति की अध्यक्षा, स्कूल स्टॉफ व प्रबंधन का सामूहिक चित्र

30 नवम्बर, 2018 को **दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल** ने अपना 26वां वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर **माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैज़ल, श्रीमती माला बैज़ल, पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक, विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक, श्री ताज हसन, श्री आर.पी. उपाध्याय, श्रीमती नजुहत हसन, श्री सतीश गोलचा, श्री प्रवीर रंजन, संयुक्त पुलिस आयुक्त, श्री मधुप तिवारी, श्री देवेश श्रीवास्तव, उपायुक्त पुलिस श्री आसिफ मोहम्मद, श्री राजीव रंजन, स्कूल की प्राचार्या श्रीमती रूबी मल्होत्रा** सहित बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र/छात्राएँ एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे। सफदरजंग एंक्लेव स्थित दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय उपराज्यपाल, पुलिस आयुक्त एवं समिति की अध्यक्षा ने परपंरागत रूप से दीप प्रज्जवलित करके किया। इस मौके पर छात्र/छात्राओं ने अनेक आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जिनका मुख्य अतिथि सहित सभी उपस्थित गणमान्य सदस्यों और अभिभावकों ने जमकर लुत्फ उठाया और प्रशंसा की। मुख्य अतिथि उपराज्यपाल महोदय ने छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर भविष्य में मेधावी छात्रों तथा स्वच्छता के लिए अलग से पुरस्कार दिये जाने की घोषणा भी की गई। अंत में **स्कूल संचालिका श्रीमती वैभवी कुलकर्णी** ने कार्यक्रम में शामिल अतिथिगणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका धन्यवाद किया।



दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल की प्राचार्या पुलिस आयुक्त एव समिति की अध्यक्षा को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए तथा स्कूली बच्चे देशभक्ति से प्रेरित कार्यक्रम पेश करते हुए

पुलिस आयुक्त ने दीवाली की रात मनायी जवानों के साथ



7 नवम्बर, 2018 को दिवाली की रात पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने पुलिस मुख्यालय सहित दिल्ली के प्रमुख सुरक्षा स्थलों पर तैनात पुलिसकर्मियों को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए मिठाई भेंट की। इस मौके पर अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी पुलिसकर्मियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनकी हौंसला–अफज़ाई की।

माननीय उपराज्यपाल ने आईजीआई एयरपोर्ट पर फैसिलिटेशन बूथ और ''प्रहरी योजना'' का किया शुभारंभ

18 दिसम्बर, 2018 को **उपराज्यपाल श्री अनिल बैज़ल** ने **आईजीआई एयरपोर्ट** पर दिल्ली पुलिस द्वारा शुरू किए **फैसिलिटेशन बूथ** और **प्रहरी योजना** का उद्घाटन किया। इस मौके पर **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** एवं **विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक, श्री संदीप गोयल, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री एस.के.गौतम, श्री तेजेन्द्र सिंह लूथरा, श्री आर.पी. उपाध्याय, श्रीमती नुजहत हसन, श्री सतीश गोलचा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मधुप तिवारी, श्री देवेश श्रीवास्तव, श्री सागर प्रीत हुड्डा, श्री अतुल कटियार, उपायुक्त पुलिस श्री संजय भाटिया** एवं प्रहरी योजना में शामिल हुए इलाके के लगभग 600 चौकीदार/गार्ड्स भी मौजूद थे। कार्यक्रम में जी.एम.आर. ग्रुप के बिजिनस चेयरमैन श्री जी.वी.एस राजू, डायल के ई.डी/सिक्योरटी श्री रंजीत नारायण व जीएमआर व डायल के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। उपराज्यपाल महोदय ने अपने सम्बोधन में दिल्ली पुलिस द्वारा शुरू किये गये फैसिलिटेशन बूथ और प्रहरी योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश का व्यस्ततम् एयरपोर्ट होने के कारण यदि आईजीआई एयरपोर्ट को 'गेटवे ऑफ इंडिया'' कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। दिल्ली एयरपोर्ट से प्रतिदिन लाखों लोग गुजरते है और पुलिस ने उन तक पहुंचने और उनकी समस्याओं का हल करने का शानदार प्रयास किया है। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने अपने सम्बोधन में कहा कि पुलिस के अधिकांश जिलों में चल रही प्रहरी योजना एवं कुछ प्रमुख स्थानों पर शुरू किये गये फैसिलिटेशन बूथ काफी कारगर साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रहरी योजना हमारे लिए एक फोर्स मल्टीप्लायर की तरह है क्योंकि जहाँ पुलिस उपस्थित नहीं रह सकती वहाँ ये प्रहरी पुलिस का प्रतिनिधित्व करते हैं। आईजीआई एयरपोर्ट पर प्रहरी योजना काफी प्रभावशाली साबित होगी क्योंकि आसपास के बड़े–बड़े होटलों, व्यवसायिक केंद्रों और बहुमंज़िली इमारतों में काम करने वाले चौकीदार/गार्ड्स काफी अधिक संख्या में है जिन्हें पुलिस ने प्रशिक्षित कर इस योजना में शामिल किया है। इसके अलावा फैसिलिटेशन बूथ जो ई–सुविधाओं से लैस है, देश–विदेश के यात्रियों के लिए काफी मददगार रहेगा, क्योंकि इस बूथ पर पुलिस संबंधित जानकारी, गुमशुदा की रिपोर्ट, सामान व वाहन चोरी, वेरिफिकेशन इत्यादि से जुड़े मामलों की रिपोर्ट भी की जा सकेगी। उपायुक्त पुलिस आईजीआई एयरपोर्ट श्री संजय भाटिया ने कहा कि पुलिस का प्रयास एयरपोर्ट पर यात्रियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के साथ–साथ एक ही स्थान पर पुलिस से संबंधित सभी सुविधाएँ उपलब्ध करवाना है।


आईजीआई ऐयरपोर्ट पर ई-कियोस्क का उद्घाटन करते हुए उपराज्यपाल एवं पुलिस आयुक्त


उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक


एक कर्मठ एवं सजग प्रहरी को सम्मानित करते हुए उपराज्यपाल महोदय

महिला सशक्तिकरण व साइबर जागरुकता से जुड़े विषय भी पाठ्यक्रम में भी शामिल हों– पुलिस आयुक्त


महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में एक छात्रा को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त


आत्मरक्षा प्रशिक्षण में निपुण हुई छात्राओं से मिलने के लिए जाते हुए पुलिस आयुक्त

27 दिसम्बर,18 को पूर्वी जिला के ईस्ट विनोद नगर स्थित स्पोर्टस ग्राउंड में 15 नवम्बर से 27 दिसम्बर तक चले महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्बोधित किया। छः सप्ताह के इस महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में 6 सरकारी स्कूलों की 9868 छात्राओं एवं वसुंधरा इलाके की रहने वाली 80 कामकाजी महिलाओं को एक एनजीओ के सहयोग से निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया। पुलिस आयुक्त महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि सशक्ति कार्यक्रम दिल्ली पुलिस की एक सबसे महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे कार्यक्रम में छात्राओं/महिलाओं में आत्मविश्वास मजबूत होता है और सीखी गई तकनीक से न केवल वे स्वयं की रक्षा कर रही है बल्कि अपनी सहयोगियों की भी मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण और साहबर जागरूकता जैसे विषयों को बच्चों के पाठ्यक्रम में भी शामिल किये जाने की जरूरत है। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री राजेश खुराना, श्री रवीन्द्र यादव, श्री देवेश श्रीवास्तव, श्री डेविड लालरिनसंगा** एवं **उपायुक्त पुलिस पूर्वी जिला श्री पंकज सिंह** के अलावा **साइबर लॉ एक्सपर्ट श्री पवन दुग्गल,** शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कई एनजीओ के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

दिल्ली पुलिस की ''स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमेन एंड चिल्ड्रन'' का नाम 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज

दिल्ली पुलिस परिवार के लिए अत्यंत हर्ष की बात है कि **'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड'** पुस्तक के आगामी संस्करण में हमारी **''स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमिन एंड चिल्ड्रन''** (SPUWAC) का नाम उल्लेखनीय योगदान के लिए चयनित किया गया है। वर्ष 2002 से दिल्ली के विभिन्न स्कूलों/कॉलेजों की छात्राओं और कामकाजी महिलाओं तथा घरेलू महिलाओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करने वाली इस यूनिट ने अब तक 9,80,456 छात्राओं/महिलाओं को आत्मरक्षा में प्रशिक्षित किया और उनका मनोबल बढ़ाया। दरअसल यह यूनिट पिछले 16 वर्षो से निरंतर आत्मरक्षा शिविर आयोजित करती आ रही है और गत 2 वर्षो से **''सशक्ति''** नाम से दिल्ली के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम चला रही है। बाकायदा हर वर्ष ग्रीष्म व शरद अवकाश के दौरान समाचार पत्रों में विज्ञापनों के माध्यमों से दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर लगाये जाने वाले निःशुल्क सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग कैम्पों के बारे में आम जनता को जानकारी भी मुहैया कराती है। स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमेन एंड चिल्ड्रन की उपायुक्त श्रीमती गीता रानी वर्मा ने बताया कि केवल वर्ष 2017 के दौरान ही 989 निःशुल्क कैप आयोजित कर 2,08,125 छात्राओं/महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण काम किया है। इस उपलब्धि के लिए इस यूनिट में तैनात सभी प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी बधाई की पात्र हैं।



प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मियों की टीम अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए

17 महिला पुलिसकर्मी जूडो ट्रेनर हुई ग्रीन बेल्ट की हकदार

दिल्ली पुलिस की स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमिन एंड चिल्ड्रन (SPUWAC) की 17 महिला पुलिसकर्मी 30 नवम्बर, 2018 को तीन माह का प्रशिक्षण पूरा कर ग्रीन बेल्ट धारण करने की हकदार हो गई हैं। अब इस यूनिट की कुल 59 महिला पुलिसकर्मी जूडो फेडरेशन ऑफ इडिया द्वारा जूडो अपग्रेडेशन का प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुकी है। यही प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविरों में महिलाओं एवं छात्राओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करती है। चित्र में : प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिला पुलिसकर्मी उपायुक्त पुलिस श्रीमती गीता रानी वर्मा एवं एसीपी श्रीमती सुनीता शर्मा के साथ।



पुलिस आयुक्त ने पश्चिमी जिला के थाना पंजाबी बाग में नवनिर्मित 64 स्टाफ क्वार्टरों का उद्घाटन किया



थाना पंजाबी बाग परिसर में नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टरों का उद्घाटन करते हुए पुलिस आयुक्त



नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टरों के उद्घाटन मौके पर मंचासीन पुलिस आयुक्त एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

27 दिसम्बर, 2018 की सायं पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने पश्चिमी जिला के थाना पंजाबी बाग परिसर में बने 64 नव–निर्मित स्टाफ क्वार्टरों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.पी उपाध्याय, श्री तेजेन्द्र सिंह लूथरा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मधुप तिवारी, उपायुक्त पुलिस श्रीमती मोनिका भारद्वाज के अलावा कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में कॉमनवेल्थ की गोल्ड मेडिलिस्ट सुश्री मोनिका बत्रा, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच श्री राजसिंह, एसडीएमसी के मेयर श्री नरेंद्र चावला एवं इलाके के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। मैसर्स राइट्स लिमिटेड द्वारा निर्मित इन स्टाफ क्वार्टरों में इलेक्ट्रिक सब स्टेशन, रेज हार्वेस्टिंग प्लांट, इमरजेंसी पावर बैकअप, वाटर पंपरूम, फायर फाइटिंग उपकरण एवं चार लिफ्टों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

भारत में सर्वप्रथम दिल्ली पुलिस के सभी थानों के मालखाने हुए डिज़िटलाईज्ड

वर्ष 2018 में अपनी कार्यशैली में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हुए दिल्ली पुलिस अपने सभी थानों के मालखानों की प्रक्रिया को डिजिटलाइज़ करने में सफल हुई है। ई–मालखाना प्रोजेक्ट जिसे दिल्ली पुलिस का ड्रीम प्रोजेक्ट भी कह सकते हैं, सभी थानों में क्रियान्वित होने से दिल्ली पुलिस देश की ऐसी पहली पुलिस फोर्स बन गई है, जिसके सभी थाने पूरी तरह डिज़िटलाइज़ हो गये हैं। गतवर्ष प्रारंभ से ही दिल्ली पुलिस ने मालखानों के काम करने की जटिल प्रक्रिया को सुगम बनाने की दिशा में काम करते हुए पहले दक्षिण–पूर्वी जिला व शाहदरा जिला के सभी थानों के मालखानों को ई–मालखाना में परिवर्तित करने की शानदार पहल की। किसी भी थाने का मालखाना, थाने का अहम हिस्सा होता है। लंबित मामलों की सुनवाई के दौरान माल मुकदमा को अदालत में पेश किया जाता है तथा मामले के निपटारे तक केस प्रापर्टी को संभालकर रखना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। अभी तक ज्यादातर थानों में मालखाने के अंदर केस प्रॉपर्टी को बेतरतीब तरीके से रखा जाता था, परन्तु अब ई–मालखाना व्यवस्था शुरू होने से एक तो मालखाना साफ–सुथरा रहेगा, साथ ही काम करने में सुविधा होने के साथ–साथ केस प्रॉपर्टी के रखरखाव, संग्रहण व अदालत में पेश करने में भी बहुत मदद मिलेगी। इस प्रणाली के उपयोग से केस प्रॉपर्टी का पूरा विवरण कंप्यूटर स्क्रीन पर आ जाएगा और इसकी आवाजाही का रिकॉर्ड भी रहेगा। इसके पश्चात् 2 नवम्बर, 2018 को रोहिणी जिले के थाना के.एन.काटजू मार्ग में और 16 नवम्बर, 2018 को पश्चिमी जिला के थाना पंजाबी बाग में आयोजित कार्यक्रमों में इन दोनों जिलों के मालखाना को ई–मालखाना में परिवर्तित किया।

इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए 28 दिसम्बर, 2018 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने नई दिल्ली जिला के लोधी रोड़ स्थित चिन्मय मिशन के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में अपने ड्रीम प्रोजेक्ट ई–मालखाना के तहत शेष 10 जिलों के सभी थानों को डिज़िटलाइज़ करने की प्रक्रिया को पूरा किया। ई–मालखाना प्रोजेक्ट को संपूर्ण करने के मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, श्री एस.के.गौतम, श्री आर.पी. उपाध्याय, श्रीमती नुजहत हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री राजेश खुराना, श्री देवेश श्रीवास्तव, श्री सागरप्रीत हुड्डा, श्री मधुप तिवारी, श्री अजय चौधरी, श्री डेविड लालरिनसंगा, साइबर एक्सपर्ट श्री पवन दुग्गल, उपायुक्त पुलिस श्री मधुर वर्मा, श्री रजनीश गुप्ता, श्रीमती मोनिका भारद्वाज, श्री पंकज सिंह,** इलाके के जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पुलिस आयुक्त महोदय ने अपने सम्बोधन में दिल्ली पुलिस द्वारा मालखानों के डिजिटलाईज़ेशन की दिशा में किये गये कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करते हुए हमें जनता की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर निरंतर काम करते रहना होगा।



ई-मालखाना प्रोजेक्ट में अहम भूमिका निभाने वाले एक पुलिसकर्मी को सम्मानित करते हुए



रोहिणी जिले में आयोजित ई-मालखाना के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त



रोहिणी जिला में ई-मालखाना बुकलेट का विमोचन करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण



पश्चिमी जिला में शुरू मालखाना प्रक्रिया के कंप्यूटर स्क्रीन पर देखते हुए पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी



रोहिणी जिला में ई-मालखाना प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक



पश्चिमी जिला में ई-मालखाना बुकलेट का विमोचन करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

दिल्ली पुलिस कल्याण प्रकोष्ठ एवं पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा 'मेगा जॉब फेयर–18'' आयोजित

जॉब फेयर में जॉब ऑफर लेटर और साक्षात्कार के लिए चयनित होने पर गद्‌गद् हुए पुलिस परिवारों से जुड़े नौनिहाल

60 को ऑन दा स्पॉट ऑफर लेटर और 1600 को अग्रिम साक्षात्कार के लिए चयनित



मेगा जॉब फेयर का दीप प्रज्ज्वलन करते हुए समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक एवं अन्य पदाधिकारी

दिल्ली पुलिस कल्याण प्रकोष्ठ एवं **पुलिस परिवार कल्याण समिति** ने संयुक्त रूप से अपने सहयोगी बैंकर **''एक्सिस बैंक''** के साथ मिलकर 1 दिसम्बर, 2018 को नई पुलिस लाइन मैदान में **''मेगा जॉब फेयर–2018''** का आयोजन किया। **पुलिस परिवार कल्याण समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक** ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए समिति द्वारा किये जा रहे कल्याणार्थ कार्यो और एक्सिस बैंक की भागीदारी की सराहना की और अपनी शुभकामनाएँ दी। प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक पुलिस मैदान में चले इस मेगा जॉब फेयर में **विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.नित्यानंदम्, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री देवेश श्रीवास्तव, उपायुक्त पुलिस (वेलफेयर) श्री आसिफ मोहम्मद,** एक्सिस बैंक के वरिष्ठ पदाधिकारी, 128 प्रमुख कंपनियों के नियोक्ताओं सहित भारी संख्या में जॉब के लिए आवेदनकर्ता मौजूद थे। जॉब मेले में आई भीड़ की चहल–पहल देखने से ही आभास हो रहा था कि कोई विशाल मेला आयोजित किया जा रहा है।



मेगा जॉब फेयर में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस. नित्यानंदम



मेगा जॉब फेयर में आये युवक/युवतियां अपनी बारी का इंतजार करते हुए

मेगा जॉब फेयर में विभिन्न आयुवर्ग के 8292 अभ्यार्थियों ने स्वयं को जॉब के लिए पंजीकृत कराया। एक्सिस बैंक की तरफ से एक डेडीकेटेड पोर्टल बनाया गया था जिसमें सभी उम्मीदवारों के बॉयोटाडा अपलोड किये गये थे, ताकि इच्छुक अभ्यार्थियों को रोजगार मुहैया कराने वाली कंपनियाँ अभ्यार्थियों की योग्यता और अनुभव के बारे में जरूरी जानकारी प्राप्त कर उनकी आसानी से छंटनी कर सके। जॉब मेले में रोजगार प्राप्ति के लिए आये अभ्यार्थियों में से 1600 अभ्यार्थियों का अगले दौर के साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है जबकि मौके पर ही चयनित किये गये 60 अभ्यार्थियों को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक, समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक एवं एक्सिस बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों ने ''ऑफर लेटर''** प्रदान किये। अब तक 275 अभ्यार्थियों को ऑफर दिये जा चुके हैं। समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने कहा कि दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की समस्त पदाधिकारीगण पुलिस परिवारों से जुड़े युवक/युवतियों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में पिछले दो वर्षो से विभिन्न प्रकार के ट्रेनिंग कार्यक्रम चला रही हैं, जिसमे मेगा जॉब फेयर कार्यक्रम काफी कल्याणकारी साबित हुआ। समिति अपने अथक प्रयासों के बल पर प्रमुख कंपनियों के नियोक्ताओं से सम्पर्क कर उन्हें पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों को उनकी योग्यता और अुनभव के आधार पर रोजगार देने के लिए आमंत्रित करने में सफल रही। उन्होंने बताया कि इस जॉब फेयर में बी.ए, एम.ए, बी.टेक व एमबीए जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त अभ्यार्थी भी शामिल थे।



मेगा जॉब फेयर में आये अभ्यार्थियों एवं कंपनी के नियोक्ताओं को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त



पंजीकृत अभ्यार्थियों का बायोडाटा चैक करते हुए कंपनी के नियोक्ता



मेगा जॉब फेयर में चयनित एक युवती को ऑफर लेटर प्रदान करते हुए पुलिस आयुक्त



मेगा जॉब फेयर में शामिल पुलिस आयुक्त, समिति की अध्यक्षा, एक्सिस बैंक सहित विभिन्न कंपनियों के नियोक्ताओं का सामूहिक चित्र




22 नवम्बर, 2018 को पुलिस कॉलोनी मॉडल टाउन में संचालित स्किल सेंटर-2 की वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक संबोधित करते हुए तथा विशेषतौर पर निकट की कॉलोनी से आमंत्रित नौनिहाल



पुलिस कॉलोनी मॉडल टाउन में आयोजित कार्यक्रम में एक बालिका को प्रोत्साहन पत्र देते हुए समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक



मॉडल टाउन स्किल सेंटर-1 व 3 को संचालित करने वाले स्टाफ के साथ समिति की अध्यक्षा एवं समिति की अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी




नई पुलिस लाईन कॉलोनी एवं मॉडल टाउन पुलिस कॉलोनी में सांचालित स्किल सेंटरों में टेलरिंग व मसाले बनाने का प्रशिक्षण लेने वाली पुलिस परिवारों से जुड़ी महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक




14 नवम्बर, 2018 को बाल दिवस के मौके पर दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति एवं प्रयास केन्द्र द्वारा संयुक्त रूप से बच्चों के लिए कई प्रकार के खेल कार्यक्रम आयोजित किये

करीब लायेंगे और जागरुक बनाएगें ''पुलिस अंकल''



पुलिस अंकल पुस्तक पर एक झलक डालते हुए पुलिस आयुक्त

सात दिसम्बर, 2018 को त्यागराज स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने **'पुलिस अंकल''** अभियान का शुभारंभ करते हुए इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री राजेश मलिक, श्री एस.नित्यानंदम, श्री संदीप गोयल, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री आर.पी. उपाध्याय, श्रीमती नुजहत हसन,संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री देवेश चन्द्र श्रीवास्तव, उपायुक्त पुलिस श्री चिन्मय बिश्वाल, श्री विजय सिंह, एसीपी (आईपीएस) श्री अनंत मितल,** दिल्ली के विभिन्न स्कूलों से आए प्रिसिंपल, अध्यापक व लगभग 5 हजार छात्र/छात्राएँ उपस्थित थे। दक्षिण–पूर्वी जिला पुलिस ने कम्यूनिटी पुलिसिंग को मजबूत करने की दिशा में एक और अच्छी पहल करते हुए **''पुलिस अंकल पुस्तिका''** भी तैयार की है। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने एक ऐसी पुस्तक की कल्पना की थी जिसमें स्कूली छात्र/छात्राओं को पुलिस के कर्तव्यों और कार्यो के बारे में पता चले। पुलिस आयुक्त की इस कल्पना को पुलिस अंकल पुस्तिका के रूप में वास्तविक रूप दिया, उपायुक्त पुलिस दक्षिण–पूर्वी जिला श्री चिन्मय बिश्वाल के मार्गदर्शन व एसीपी श्री अनंत मितल की देखरेख में कालकाजी थानाध्यक्ष वेदप्रकाश ने। इस पुस्तक का उद्देश्य बच्चों के मन से पुलिस के प्रति भय खत्म करना और उनके कोमल मन में पुलिस की एक अच्छे दोस्त व एक अच्छे अंकल की छवि बनाना है।**पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने दक्षिणी पूर्वी जिला द्वारा तैयार ''पुलिस अंकल अभियान'' की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम द्वारा किशोरों को न केवल अपने अधिकारों व कानूनों के बारे में जानकारी मिलेगी बल्कि वे अपने कर्तव्यों को लेकर भी जागरूक होंगे। बाल अपराधों से जुड़े कानूनों के बारे में हर वर्ग को जागरूक होना जरूरी है, विशेषकर बच्चों को। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था में ही जब बच्चे पुलिस की कार्यप्रणाली से अवगत होंगे तो बालिग होने पर जब वे समाज की मुख्यधारा में शामिल होंगे तो कानून–व्यवस्था में उनकी भागीदारी अहम साबित होगी। संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिणी परिक्षेत्र) श्री देवेश चन्द्र श्रीवास्तव ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल आफेंसेज़ (पॉक्सो) एक्ट एवं बाल अधिकार व संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर दिल्ली पुलिस शक्ति व SWAT महिला कमांडो ने लड़कियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाए तथा गुड टच–बैड टच के बारे में बताया गया साथ ही साइबर अपराध और धोखाधड़ी के प्रति बच्चों को जागरूक करने के लिए लघु फिल्म भी दिखाई गई।



थानाध्यक्ष वेदप्रकाश को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त



पुलिस अंकल पुस्तक के विमोचन के मौके पर पुलिस आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

ऑनलाइन ट्रेनिंग के लिए ''निपुण'' वेबसाइट की शुरुआत



कंप्यूटर स्क्रीन पर निपुण वेबसाईट के संचालन को देखते हुए पुलिस आयुक्त



ई-लर्निंग पोर्टल 'निपुण' तैयार करने वाली पुलिस टीम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ

14 नवम्बर, 2018 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस मुख्यालय में अपने कर्मियों को उच्च तकनीक के माध्यम से बेहतर व सार्थक ट्रेनिंग देने के उद्देश्य से ई–लर्निंग पोर्टल–''निपुण'' का उद्घाटन किया। इस मौके पर तत्कालीन विशेष पुलिस आयुक्त श्री विवेक गोगिया, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री कानन जगदीशन, उपायुक्त पुलिस श्रीमती सुमन नलवा, पोर्टल तैयार करने वाली टीम के सदस्यों सहित अधिकांश वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे। ई– लर्निंग पोर्टल निपुण का उद्देश्य विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन किए गए विशेष पाठ्यक्रमों का ऑनलाइन प्रशिक्षण एवं जानकारी प्रदान करना है। इस पोर्टल की मदद से कानून, स्थायी आदेश, चेकलिस्ट, केस फाइलों के फार्म, उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के ताजा फैसले ऑनलाइन उपलब्ध कराना है, ताकि पुलिस अधिकारी ज्यादा मुस्तैद और जागरूक होकर अपना काम कर सकें। पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानवाधिकार आयोग, एनसीपीसीआर, जानकी देवी मेमोरियल कालेज जनकपुरी और दिल्ली लीगल सर्विस अथॉरिटी के साथ मिलकर तैयार किये गये इस निपुण नामक पोर्टल की मदद से कहीं भी और कभी भी ऑनलाइन ट्रेनिंग व परीक्षा दी जा सकेगी। **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने ट्रेनिंग सेंटर द्वारा तैयार इस तकनीक की प्रशंसा करते हुए एक साथ काफी संख्या में ट्रेनिंग देने के लिए विकसित किये गये, इस इंफ्रास्ट्रकचर को बहुपयोगी बताया और कहा कि इस पोर्टल के उपयोग से पुलिसकर्मियों में सकारात्मक सोच और मनोवृति विकसित करने में भी मदद मिलेगी। पुलिस आयुक्त महोदय ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान मोरारजी देसाई इंस्टीटयूट ऑफ योग और मिनिस्ट्री ऑफ आयूष की मदद से योग प्रशिक्षण दिये जाने की योजना पर काम किये जाने की प्रशंसा करते हुए कहा कि योग दैनिक जीवन का एक अहम हिस्सा है, विशेषकर पुलिसकर्मियों के लिए। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए आप कृपया 'www.nipun.delhipolice.gov.in' को डाउनलोड भी कर सकते हैं।

दक्षिण–पश्चिमी जिले में भी शुरु हुई प्रहरी योजना



प्रहरी कार्यक्रम के दौरान मंचासीन वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण


एक कर्मठ प्रहरी को सम्मानित करते हुए पुलिस आयुक्त

14 दिसम्बर, 2018 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने दक्षिण–पश्चिम जिला में **''प्रहरी''** योजना की शुरूआत की। दिल्ली कैंट स्थित उपायुक्त पुलिस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रहरी योजना के शुभारंभ के मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.पी. उपाध्याय, श्री मधुप तिवारी, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अजय चौधरी, उपायुक्त पुलिस श्री देवेन्द्र आर्य** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा जवान मौजूद थे। इसके अलावा कार्यक्रम में इलाके की आरडब्लूए, एमडब्लूए के प्रतिनिधियों के साथ–साथ प्रहरी योजना में शामिल हुए लगभग 400 सुरक्षा गार्ड्स भी मौजूद थे। पुलिस आयुक्त महोदय ने प्रहरी योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि दिल्ली की कानून–व्यवस्था केवल दिल्ली पुलिस पर ही छोड़ दी जाए तो पुलिस उतनी सफलता अर्जित नहीं कर सकती जितनी उसे करनी चाहिए। सम्पूर्ण सफलता के लिए नागरिकों को आगे आने के साथ–साथ चौकीदारों/सिक्योरिटी गार्ड्स् आदि को भी पुलिस कार्यशैली में शामिल करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अपनी कम्यूनिटी पुलिसिंग के तहत शुरू की गई प्रहरी योजना में अधिक से अधिक गार्डस् और चौकीदारों को शामिल करना होगा, ताकि इलाके में होने वाले छोटे से छोटे अपराध के बारे में पुलिस को तत्काल जानकारी मिल सके, क्योंकि दक्षिण–पश्चिमी जिला दिल्ली का ऐसा क्षेत्र है जहाँ फार्म हाउस, मॉल्स, बहुमंजिला इमारते काफी संख्या में होने के कारण इन जगहों पर निजी सुरक्षा गार्डो की संख्या काफी ज्यादा है। इस मौके पर पुलिस आयुक्त महोदय ने इस योजना में शामिल हुए प्रहरियों, विशेषकर महिला प्रहरियों की हौसला–अफजाई करते हुए उन्हें प्रशंसा पत्र, रिफ्लेक्टिव जैकेट्स, सीटी,टार्च व टोपी आदि प्रदान करते हुए सम्मानित भी किया।

पुलिस आयुक्त ने ट्रैफिक मुख्यालय के कॉंफ्रेंस हॉल का उद्घाटन किया


ट्रैफिक मुख्यालय में कांफ्रेंस हॉल का उद्घाटन करते हुए पुलिस आयुक्त

15 दिसम्बर, 2018 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने देवप्रकाश शास्त्री मार्ग स्थित ट्रैफिक मुख्यालय में नए कॉंफ्रेंस हॉल का उद्घाटन किया और पूरे परिसर का दौरा कर यातायात प्रबंधन और प्रशासनिक खंड का मुआयना किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, श्री अरूण कम्पानी, अति0आ0पुलिस श्री ए.के.सिंह, श्री बी.के.सिंह व ईश्वर सिंह सहित** ट्रैफिक पुलिस से जुड़े तमाम उपायुक्त, एसीपी, टीआई व अन्य कर्मी मौजूद थे। इस अवसर पर एक मेगा सम्पर्क सभा का भी आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस आयुक्त महोदय ने सभा में उपस्थित लगभग 1500 यातायात कर्मियों से सीधे वार्तालाप करते हुए उनकी समस्याएँ सुनी और बेहतरी के लिए सुझाव मांगे। आयुक्त महोदय ने ट्रैफिक कर्मियों की समस्याओं और सुझावों को इत्मीनान से सुना और उन पर संज्ञान लेते हुए तत्काल समाधान किये जाने के दिशा–निर्देश जारी किये। पुलिस आयुक्त महोदय ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के काम की सराहना करते हुए कहा कि आप कठिन परिस्थितियों में चौबीसों घंटे सड़कों पर काम करते हैं। उन्होंने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को उनकी डयूटी और ट्रैफिक मैनेजमैंट में उनकी कारगर भूमिका के बारे में बताया, खासकर भविष्य में उनके सामने आने वाली चुनौतियों और तकनीक का ट्रैफिक मेनेजमेंट में क्या स्थान है, से अवगत कराया। कार्यक्रम के समापन पर दिल्ली पुलिस के पारंपरिक 'बड़ा खाना' का आयोजन किया।

एक नए जिले व 15 नए थानों का सजृन होने से जिलों की संख्या 15 हुई जबकि थानों की कुल संख्या 202 हुई

दिल्ली के नागरिकों को बेहतर पुलिसिंग मुहैया कराने के लिए 31 दिसम्बर, 2018 को अधिसूचना जारी कर एक नए जिले 'आउटर–नॉर्थ'व 15 नए थानों का सजृन किया गया है। 6 परिक्षत्रों में विभाजित 15 जिलों में 15 नए थानों के सजृन के बाद क्षेत्रीय और मैट्रो/क्राइम/विजिलेंस व स्पेशल सेल के थानों को मिलाकर थानों की कुल संख्या अब 202 हो गई है। उतर–पश्चिमी जिला, रोहिणी जिला व बाहरी जिला में शामिल कुछ थानों को निकाल कर उन्हें नए सृजित जिला आउटर–नॉर्थ में शामिल किया गया है। जिसमें 4 सब–डिविजनों नरेला (थाना नरेला व थाना नरेला औद्योगिक क्षेत्र), समयपुर बादली (थाना अलीपुर व थाना समयपुर बादली), बवाना (थाना बवाना व थाना शाहबाद डेयरी) तथा स्वरूप नगर (थाना स्वरूप नगर व थाना भलस्वा डेयरी) के तहत 8 थाने शामिल किये गये हैं। अस्तित्व में आए नए 15 थानों में शामिल हैं : नॉर्थ–ईस्ट डिस्ट्रिक्ट (थाना शास्त्री पार्क व थाना दयालपुर), ईस्ट डिस्ट्रिक्ट (थाना पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया व थाना शकरपुर, तत्कालीन थाना शकरपुर अब थाना लक्ष्मी नगर के रूप में जाना जाएगा), साउथ–ईस्ट डिस्ट्रिक्ट (थाना शाहीन बाग व थाना कालिंदी कुंज), साउथ डिस्ट्रिक्ट (थाना तिगड़ी व थाना मैदान गढ़ी), द्वारका जिला (थाना मोहन गार्डन), आउडर डिस्ट्रिक्ट (थाना राज पार्क), रोहिणी जिला (थाना प्रेम नगर व थाना बुध विहार), नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट (थाना वजीराबाद) तथा साउथ–वेस्ट डिस्ट्रिक्ट (थाना किशन गढ़)। एक जनवरी, 2019 से अस्तित्व में आए आउटर–नॉर्थ जिले का फिलहाल कार्यकारी दायित्व वर्ष 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री गौरव कुमार को सौंपा गया है।

दो बहनों का सनसनीखेज हत्याकांड सुलझाने वाली पुलिस टीम सम्मानित



बाहरी जिला के **थाना पश्चिम विहार** इलाके में 25 अक्टूबर को हुई दो सगी बहनों की हत्या की गुत्थी मात्र 24 घंटे में सुलझाने वाली टीम को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने अपने कार्यालय में शाबाशी देते हुए उनके कार्य की सराहना की। इस मौके पर पश्चिमी परिक्षेत्र के पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

अपनों से बिछुड़े लगभग 100 बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने वाली टीम सम्मानित



उत्तर–पूर्वी जिला की **मानव तस्करी विरोधी इकाई** ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व बिहार के रहने वाले लगभग 100 बच्चों को जो अपने परिजनों से बिछुड़ गये थे, पुनः उनके परिवारों से मिलाने वाली पुलिस टीम को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने शाबाशी देते हुए उनकी कार्यशैली को सराहा। इस मौके पर पूर्वी परिक्षेत्र वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

लूटपाट व कारजैकिंग की 10 संगीन वारदातों को सुलझाने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने **द्वारका जिला** के **स्पेशल स्टाफ** एवं द्वारका थाने की एक संयुक्त टीम को इलाके में लगातर हुई लूटपाट व कारजैकिंग की 10 संगीन वारदातें सुलझाने पर उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली और अनुकरणीय तफ्तीश के लिए शाबाशी देते हुए सम्मानित किया। इस मौके पर पश्चिमी परिक्षेत्र के पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

बाल्मीकि जयंती उत्सव के दौरान हत्या करने वाले आरोपी आए पुलिस शिकंजे मे



नई दिल्ली जिला के **थाना मंदिर मार्ग** इलाके में बाल्मीकि जयंती के मौके पर एक युवक की हत्या करने वाले दो कुख्यात अपराधियों को पकड़ने वाली पुलिस टीम को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने मुख्यालय में बुलाकर प्रोत्साहित व सम्मानित किया। इस मौके पर नई दिल्ली परिक्षेत्र वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

वरिष्ठ महिला से मारपीट व लूटपाट करने वाले 4 आरोपियों को दबोचने वाली टीम की सराहना



पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने **पूर्वी जिला** के थाना **न्यू अशोक नगर** इलाके में एक बुजुर्ग महिला के घर में घुस कर पिस्टल के बट से घायल कर लूटपाट करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को पुलिस मुख्यालय में सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्वी परिक्षेत्र वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

मनीएक्सचेंज़र भाईयों को गोली मारने वाले 5 बदमाश पुलिस टीम ने धर–दबोचे



दक्षिण–पश्चिमी जिला के **थाना बसंत कुंज (उत्तरी)** इलाके के महिपालपुर इलाके में दो मनीएक्सचेंज़र भाईयों को गोली मार कर घायल करने वाले 5 बदमाशों को धर–दबोचने वाली पुलिस टीम को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस मुख्यालय में सम्मानित किया। इस मौके पर दक्षिणी परिक्षेत्र वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

शाहदरा जिला में रोड़रेज़ में हुई हत्या की वारदात सुलझाने वाली पुलिस टीम पुरस्कृत



शाहदरा जिला के **थाना गीता कॉलोनी** इलाके में रोड़रेज़ में हुई हत्या के 3 आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस मुख्यालय में बुलाकर प्रोत्साहित किया। इस मौके पर पूर्वी परिक्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

पूर्वी जिला में डिपार्टमेंटल स्टोर पर हुई हत्या की वारदात सुलझाने में शानदार सफलता



पूर्वी जिला के **थाना मयूर विहार** इलाके में 9/10 दिसम्बर की मध्य रात्रि एक डिपार्टमेंटल स्टोर के बाहर मामूली सी बहस के बाद हत्या करने वाले बदमाश को 48 घंटे के अंदर धर–दबोचने वाली टीम को पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर पूर्वी परिक्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

कुख्यात बदमाश को दबोचने वाली स्पेशल सेल की टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



4 नवम्बर, 2018 **स्पेशल सेल** की एक टीम जिसने एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद दर्जनभर संगीन वारदातों में शामिल बदमाश विनोद उर्फ दादा उर्फ पंडित को गिरफ्तार करने में साहस और निष्ठा का परिचय दिया, को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने पुलिस मुख्यालय में बुलाकर शाबाशी दी और सम्मानित किया। इस मौके पर स्पेशल सेल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

गंदे नाले में गिरी बुजुर्ग महिला को सकुशल बाहर निकालने वाली पीसीआर टीम सम्मानित



11 दिसम्बर, 2018 को **थाना रनहौला** में एक गहरे गंदे नाले में गिरी लगभग 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को सकुशल बाहर निकाल कर उसकी जीवनरक्षा करने वाली पीसीआर टीम के सदस्यों को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने उनके मानवीय व्यवहार के लिए शाबाशी दी।

हथियारों के दम पर पुलिसकर्मियों की कार लूटने वाले बदमाशों को दबोचने वाली पीसीआर की टीमें प्रोत्साहित





रोहिणी इलाके में हथियारों की नोंक पर दो पुलिसकर्मियों एएसआई अनिल व कां. वीरेन्द्र से लूटपाट करने वाले बदमाशों को पीछा कर मुंडका इलाके से दबोच कर उनके कब्जे से हथियार बरामद करने वाली **पीसीआर की टीमों** को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया। इस मौके पर विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन) श्री एस.के. गौतम व अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री प्रेमनाथ भी उपस्थित थे।

जुलाई–अगस्त व सितम्बर माह के 18 सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित

जुलाई माह


कां. सुनील कुमार (जुलाई माह का दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफीसर)


हेड कां. संदीप चावला


हेड कां. अनिल कुमार


हेड कां. विनय कुमार


कां. हंस राम


कां. बिजेन्द्र

जुलाई माह में सम्मानित होने वाले सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स में शामिल है:– कां0 सुनील कुमार (थाना द्वारका, पश्चिमी परिक्षेत्र तथा जुलाई माह में दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर), हेड कां0 संदीप चावला (थाना सदर बाजार, मध्य परिक्षेत्र), हेड कां0 अनिल कुमार (थाना सीलमपुर, पूर्वी परिक्षेत्र), हेड कां0 विनय कुमार (थाना महेन्द्रा पार्क उत्तरी परिक्षेत्र), कां0 हंसराम (थाना निजामुद्दीन, दक्षिणी परिक्षेत्र) तथा कां0 बिजेन्द्र (थाना कनाट प्लेस, नई दिल्ली परिक्षेत्र) , ।

अगस्त माह


कां. नन्द किशोर (अगस्त माह का दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफीसर)


एएसआई मांगेराम


हेड कां. जगदीश प्रसाद


हेड कां. अमित कुमार


कां. वीरेन्द्र कुमार


कां. सचिन

अगस्त माह के सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स में शामिल हैं: कां0 नंद किशोर (थाना जीटीबी, पूर्वी परिक्षेत्र तथा अगस्त माह का दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर), एएसआई मांगे राम (थाना तिलक नगर, पश्चिमी परिक्षेत्र), हेड कां0 जगदीश प्रसाद (थाना सी.आर.पार्क, दक्षिणी परिक्षेत्र), हेड कां0 अमित कुमार (थाना बाड़ा हिन्दुराव, मध्य परिक्षेत्र), कां0 वीरेन्द्र कुमार (थाना कनाट प्लेस, नई दिल्ली परिक्षेत्र), तथा कां0 सचिन (थाना आदर्श नगर, उत्तरी परिक्षेत्र)।

सितम्बर माह


कां. सतपाल सिंह (सितम्बर माह का दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफीसर)


हेड कां. गजेन्द्र सिंह


हेड कां. सतेन्द्र


कां. चन्दर प्रकाश


कां. हेम चन्दर


कां. रविन्द्र कुमार

सितम्बर माह के सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स में शामिल हैं :– कां0 सत्यपाल (थाना मियाँवाली नगर– पश्चिमी परिक्षेत्र, दिल्ली का सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर), हेडकां0 गजेन्द्र सिंह (थाना कोतवाली–मध्य परिक्षेत्र), हेडकां0 सतेन्द्र (थाना संगम विहार – दक्षिणी परिक्षेत्र), कां0 चन्दर प्रकाश (थाना सीलमपुर– पूर्वी परिक्षेत्र) कां0 हेमचन्दर (थाना नरेला–उत्तरी परिक्षेत्र) तथा कां0 रविन्द्र कुमार (थाना मन्दिर मार्ग–नई दिल्ली परिक्षेत्र)।

शुभकामनाएँ

माह सितम्बर व अक्टूबर, 2018 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाइयों से 153 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए है। इनमें से 10 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत होने वाले सभी पुलिसकर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करता है।

सितम्बर माह में सेवानिवृत पुलिसकर्मियों में शामिल हैं :– एसआई भूदेव सिंह, एसआई कृष्ण कुमार, एसआई राजकुमार, एसआई राजेन्द्र सिंह, एएसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई राजसिंह, एएसआई दलीप सिंह, एएसआई राजेन्द्र सिंह, हेडकां0 सतेन्द्र पाल, हेडकां0 सतपाल सिंह, एएसआई शिव सिंह, एएसआई किशोरी लाल, कां0 रामकुमार **(पीसीआर)**, एसआई बाले राम **(रोहिणी जिला)**, एसआई श्याम लाल शर्मा **(द्वितीय वाहिनी)** एसआई महाबीर सिंह, एएसआई किरण पाल सिंह, एएसआई उदयवीर सिंह एएसआई ओमप्रकाश तथा एमटीएस सीताराम, **(दक्षिणी जिला)**, इंस्पेक्टर जयपाल सिंह **(शाहदरा जिला)**, इंस्पेक्टर रवीन्द्र सिंह, एसआई प्रेम किशोर गुप्ता **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, इंस्पेक्टर शमशेर सिंह **(विशेष पुलिस ईकाई महिला एवं बाल)**, एएसआई भूप सिंह **(पांचवीं वाहिनी)**, एसआई राजबीर सिंह, एसआई सतबीर सिंह, एसआई जगदीश सिंह व एमटीएम राजबाला **(पीटीसी)**, एएसआई राजबीर, एएसआई सुभाषचंद, एएसआई जगदीश प्रसाद **(बाहरी जिला)**, इंस्पेक्टर मजर खालिद **(पूर्वी जिला)**, एसआई कुलबीर सिंह **(एफआरआरओ)**, एसआई सुलतान अहमद **(स्पेशल सेल)**, एसआई सुरेश चन्द्र, एएसआई रणबीर सिंह **(प्रथम वाहिनी)**, सुरेन्द्र सिंह, महेन्द्र सिंह व शीला देवी **(पश्चिमी जिला)**, इंस्पेक्टर ध्रुव भगत सिंह, इंस्पेक्टर ईश्वर सिंह, एसआई गजेन्द्र सिंह कंडारी, एएसआई जगबीर सिंह **(परिचालन)**, इंस्पेक्टर गजेन्द्र सिंह, एसआई रामलाल, एसआई सैम्अुल, एसआई किशन लाल, एसआई अजीत कुमार, हेडकां0 बलवान सिंह **(सुरक्षा)**, एसआई अल्लाउद्धीन खान, एएसआई यशवीर सिंह **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, एसआई रामपाल **(स्पेशल ब्रांच)**, एसआई रामनिवास, एसआई जगबीर सिंह, एएसआई बीर सैन व एएसआई सितेंग सुबासी टोपनो **(नई दिल्ली जिला)**, इंस्पेक्टर संतोष देवी **(उत्तरी जिला)**, एसआई रामकुमार, एएसआई बिरेन्द्र सिंह **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, एसआई महाबीर सिंह, एएसआई किरणपाल, एएसआई ओमप्रकाश, एएसआई उदयवीर सिंह, एमटीएस सीता राम **(दक्षिणी जिला)**, एसआई रामप्रसाद **(पीएंडएल)**, हेडकां0 बालिक राम **(अपराध)**, एसआई रणबीर सिंह **(द्वारका)**, एसआई राकेश कुमार, एसआई जगत सिंह **(दक्षिणी–पूर्वी जिला)**।

अक्टूबर माह में सेवानिवृत साथियों में शामिल हैः– इंस्पेक्टर जसबीर सिंह, एएसआई विनोद कुमार **(रेलवे)**, इंस्पेक्टर रणबीर सिंह, इंस्पेक्टर रामकंवर, एसआई रमेश चंद खरब, एसआई उषा कुमारी **(परिचालन)**, एसआई शिव नारायण व एमटीएस मेघराज **(प्रथम वाहिनी)**, एसआई शिव शंकर **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, एसआई रामपाल सिंह व एएसआई धन सिंह **(पूर्वी जिला)**, एएसआई रामजी लाल **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, एसआई सत्यपाल सिंह **(स्पेशल ब्रांच)**, एसआई रमेश कुमार, एसआई सत्यपाल सिंह, एसआई परमजीत सिंह, एएसआई रतनसिंह, एएसआई पवन सिह मलिक, एएसआई श्रीचन्दर, एएसआई लाला राम, एएसआई चमन सिह, एएसआई ओमप्रकाश, एएसआई नरेन्द्र कुमार, हेडकां0 सत्यपाल शर्मा, हेडकां0 रामेश्वर सिंह, हेडकां0 ए.वेल्लास्वामी **(सुरक्षा)**, एसआई सुरेन्द्र सिंह, एसआई श्रीपाल सिंह, एएसआई शिव लाल, एएसआई केवल कृष्ण **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, हेडकां0 गजानद आनन्द राव उबाले **(सतर्कता शाखा)**, एएसआई राजीव त्यागी **(डीईसेल)**, एसआई मनोहर सिंह, एएसआई गंगा राम,एमटीएस रहमानी बेगम **(सातवीं वाहिनी)**, एसआई दयानंद **(आईजीआई)**, इंस्पेक्टर रामचन्दर एएसआई शिवादासन एसआई नीलम **(उत्तरी जिला)**, एसआई कृष्ण लाल, एसआई मदन सिंह, एसआई धीनेश कुमार, एसआई धर्मपाल, एसआई जगदीश प्रसाद, एएसआई उदय सिंह, एएसआई महाबीर सिंह, एएसआई सत्यप्रकाश राणा, एएसआई मदन सिंह, एएसआई जीत सिंह, हेडकां0 सुमन्दर सिंह मलिक, एएसआई विक्रम सिंह व एएसआई नरेन्द्र कुमार **(पीसीआर)**, एसआई श्रीकृष्ण, एसआई विलियम डंग (एफआरआरओ), एएसआई जोहर सिंह भाई व एमटीएस लाजवंत **(रोहिणी जिला)**, एसआई जयचंद, एसआई दिलबाग सिंह, एएसआई नरेश सिह **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, एसआई सुरेश चंद, एएसआई राजपाल सिंह, एसआई जगराम सिंह **(ट्रैफिक)**, एमटीएस लीला देवी **(मुख्यालय)**, एसआई शुकरू ओरांन **(राष्ट्रपति भवन)** एसआई जय दयाल व एएसआई अजय कुमार (**मध्य जिला)**, एमटीएस गौरी दत्त **(बाहरी जिला)**, हेडकां0 रमेश चंद **(पीएंडएल)**, एसआई जगदीश सिंह, एसआई रामसिंह **(पीटीसी)**, एएसआई कमल सिंह **(स्पेशल सेल)** तथा एसआई सुरेन्द्र पाल **(शाहदरा जिला)**।

श्रद्धांजलि

माह अक्टूबर व नवम्बर, 2018 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 33 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान भिन्न–भिन्न कारणों से मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गए अपने इन साथियों को दिल्ली पुलिस परिवारअपनी भाव–भीनी श्रद्धाजंलि अर्पित करता है और उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है। **अक्टूबर माह में दिवंगत साथियों में शामिल है :–** एसआई सतपाल सिंह व कां0 महिपाल यादव **(पीसीआर)**, एएसआई चरण सिंह **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, एएसआई ओमकुमार **(शाहदरा जिला)**, एएसआई विजय कुमार **(दक्षिण–पूर्वी जिला)** हेडकां0 सुनील कुमार व कां0 सुरेन्द्र सिंह **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, हेडकां0 भूप सिंह **(द्वारका जिला)**, एएसआई रणबीर सिंह व हेडकां0 सर्वजीत सिंह **(बाहरी जिला)**, हेडकां0 कृष्ण कुमार **(दक्षिणी जिला)**, हेडकां0 सतबीर सिंह **(अपराध)**, हेडकां0 राजेश **(परिचालन)**, हेडकां0 दिनेश कुमार **(पश्चिमी जिला)**, कां0 महेश कुमार **(चतुर्थ वाहिनी)**।

नवम्बर माह में दिवंगत साथियों में शामिल हैः– एसीपी प्रेम वल्लभ शर्मा **(मुख्यालय)**, एसआई लील कुमार व एएसआई सुभाष चन्द्र **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, एसआई सुभयदीन व हेडकां0 रविन्द्र सिंह **(पीसीआर)**, एएसआई सुरेन्द्र सिंह **(आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ)**, एसआई रमेश कुमार **(नई दिल्ली जिला)**, एएसआई राजपाल सिंह **(अपराध शाखा)**, हेडकां0 राजेन्द्र **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, एएसआई चन्द्रवीर सिंह **(छट्टी वाहिनी)**, एएसआई जितेन्द्र सिंह **(ट्रैफिक)**, हेडकां0 रवीन्द्र कुमार **(सुरक्षा)**, कां0 सन्नी **(पश्चिमी जिला)**, कां0 नरेन्द्र दहिया व कां0 कुलदीप सिंह **(तृतीय वाहिनी)**, हेडकां0 अजय कुमार (रोहिणी जिला), कां0 वर्जील (शाहदरा जिला)।

276 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रित अनुकम्पा के आधार पर पुलिस परिवार में शामिल

दिल्ली पुलिस प्रशासन ने अपने कर्मियों के कल्याणार्थ एक ओर कदम उठाते हुए 276 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर विभिन्न पदों पर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल किया है। अनुकम्पा के आधार पर भर्ती होने वालों में 34 हेड कॉस्टेबल (मिनिस्ट्रीयल), 20 ड्राईवर, 144 पुरूष कांस्टेबल, 38 महिला कांस्टेबल व 40 एमटीएस कर्मी शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस ने संसद भवन पर हमले की 17वीं बरसी पर अपने साथियों को याद किया

दिल्ली पुलिस ने संसद हमले की 17वीं बरसी पर 13 दिसम्बर, 2018 को एक कार्यक्रम में अपने पांच शहीद सुरक्षाकर्मियों एएसआई नानकचंद, एएसआई रामपाल, हेडकां. ओमप्रकाश, हेडकां. बिजेन्द्र सिंह व हेडकां. घनश्याम को श्रद्धांजलि अर्पित की। स्मरण दिलाया जाता है कि 13 दिसम्बर 2001 को भारतीय संसद पर हुए आतंकी हमले में अपनी मातृभूमि की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करते हुए इन पुलिसकर्मियों ने अपने प्राण कर्तव्य की वेदी पर न्यौछावर कर दिए थे।

उद्धरण

भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी पर अड़िग रहते हुए दिल्ली पुलिस किसी भी गलत काम या भ्रष्टाचार का वीडियो, ऑडियो या प्रमाणित फोटो प्राप्त होने पर त्वरित कार्रवाही करती है। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को स्पष्ट निर्देश है कि नागरिकों की शिकायतों पर सहानुभूतिपूर्वक, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ न्यायसंगत कार्रवाही करें।

– पुलिस आयुक्त, श्री अमूल्य पटनायक

यमुना ट्रॉफी – 2018 के 'रक्षक कप' फाईनल में पश्चिमी परिक्षेत्र ने बाजी मारी



15 से 29 दिसम्बर, 2018 के बीच यमुना स्पोर्टस् कॉम्पलेक्स, पूर्वी जिला में दिल्ली पुलिस के विभिन्न परिक्षेत्रों के बीच खेले गए 'रक्षक कप' के फाईनल में पश्चिमी परिक्षेत्र ने पूर्वी परिक्षेत्र को हराकर कप अपने नाम किया। इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजीव निशाना के प्रयास से आयोजित हुई इस क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ 15 दिसम्बर को विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल ने किया था। इस टूर्नामेंट में वि.पु.आ. श्री आर.पी. उपाध्याय, सं.पु.आ. श्री मधुप तिवारी व उपायुक्त पुलिस श्री पंकज सिंह का अपनी-अपनी टीम के लिये विशेष योगदान रहा। 30 दिसम्बर, 2018 को फाईनल मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने विजेता टीम पश्चिमी परिक्षेत्र को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

एनबीटी सुरक्षा कवच की पहल से जनता व पुलिस परस्पर निकट आए



26 दिसम्बर, 2018 को 'एनबीटी सुरक्षा कवच' का एक वर्ष पूरा होने पर विष्णु दिगम्बर मार्ग पर स्थित हिन्दी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक सहित विभिन्न सिविक एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने कहा की एनबीटी द्वारा चलाया गया सुरक्षा कवच समाज हित में काफी कारगर साबित हुआ है। सुरक्षा कवच की मदद से जनता व पुलिस के बीच विश्वसनीयता मजबूत हुई और जनता ने पुलिस की कार्यशैली को नज़दीक से जाना।

30 नवम्बर, 2018 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



एसीपी श्री बख्शी राम (सातवीं वाहिनी)



एसीपी श्री गजराज सिंह (सुरक्षा)



एसीपी श्री राम अवतार (पश्चिमी जिला)



एसीपी श्री मगन सिंह शेखावत (आर्थिक अपराध)

31 दिसम्बर, 2018 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



एसीपी श्री रामचन्द्र (उत्तरी जिला)



एसीपी श्री सत्य प्रकाश (विशेष शाखा)



एसीपी श्री राजकुमार (दक्षिणी जिला)



एसीपी श्री बेंजामिन कुजूर (परिचालन)

फोटो : रोज़र जोसफ



एसीपी श्री जसबीर सिंह (द्वितीय वाहिनी)

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ

नव वर्ष 2019 आप सभी पुलिस अधिकारियों / कर्मियों एवं आपके परिजनों के लिए मंगलमयी एवं सुखदायी सिद्ध हो। ईश्वर से प्रार्थना है कि नए वर्ष में आप सभी अपने कर्तव्य को सच्ची निष्ठा, समर्पणभाव एवं पेशेवर दक्षता के साथ निष्पादित करने में सफल हों।

सम्पादक : श्री राजीव रंजन, उपायुक्त पुलिस (पुलिस आयुक्त के स्टाफ ऑफिसर)
सह-सम्पादक : निरीक्षक सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सम्पादक



सह-सम्पादक